मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–131

बी. ए. (सामान्य) स्नातक उपाधि कार्यक्रम संस्कृत

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एस.के.सी.-131 : संस्कृत पद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रश्न-पत्र में* ***तीन*** *खण्ड हैं, सभी खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड—क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. अधोलिखित श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 15×3=45

(क) तृप्तियोगः परेणापि महिम्ना न महात्मनाम्।
पूर्णश्चन्द्रोदयाकाङ्क्षी दृष्टान्तोऽत्र महार्णवः॥

अथवा

विधाय वैरं सामर्षे नरोऽरौ य उदासते।
प्रक्षिप्योदर्चिषं कक्षे शेरते तेऽभिमारुतम्॥

(ख) शिरः शार्वं स्वर्गात्पशुपतिशिरस्तः क्षितिधरं
महीध्रात्तुङ्गादवनिमवनेश्चापि जलधिम्।
अधोऽधो गङ्गेयं पदमुपगता स्तोकमथवा
विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः॥

अथवा

येषां न विद्या न तपो न दानं
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः मनुष्यरूपेण
मृगाश्चरन्ति॥

(ग) शैशवेऽभ्यस्तविद्यानां यौवने विषयैषिणाम्।
वार्धके मुनिवृत्तीनां योगेनान्ते तनुत्यजाम्॥

अथवा

ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः।
गुणा गुणानुबन्धित्वात्तस्य सप्रसवा इव॥

खण्ड—ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : *निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर प्रत्येक लगभग* ***1000*** *शब्दों में लिखिए।* 15×2=30

2. कालिदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'रघुवंश' महाकाव्य का कथासार बताइए।

3. महाकवि माघ के काव्य वैशिष्ट्य का उल्लेख कीजिए।

अथवा

खण्डकाव्य का लक्षण बताते हुए खण्डकाव्य की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***पाँच*** *के उत्तर लगभग* ***200*** *शब्दों में दीजिए।* 5×5=25

4. 'मेघदूत' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

5. 'रघुवंश' के आधार पर राजा दिलीप के गुणों को स्पष्ट कीजिए।

6. 'भारवि' के शैलीगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

7. मुक्तक काव्य की उत्पत्ति और विकास पर प्रकाश डालिए।

8. पण्डितराज जगन्नाथ के कृतित्व का उल्लेख कीजिए।

9. 'नीतिशतक' के प्रतिपाद्य विषय पर प्रकाश डालिए।

10. 'शिशुपालवध' महाकाव्य के महाकाव्यत्व को समझाइए।